

Indu Kumari.

Assistant. Professor, Dept. of Economics, B. N. College, Bhagalpur,
T. M. Bhagalpur University, Bhagalpur,

Assignment of B.A Part-2 (paper-3), Module-2

State whether the following statements are true or false

(बताएं कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य)

- केन्सियन सिद्धांत एक गतिशील सिद्धांत है।
- शास्त्रीय अर्थशास्त्र अल्प बेरोजगार में विश्वास रखता है।
- सीमांत उपयोगिता प्रवृत्ति (मार्जिनल प्रोपेंसिटी टु कंज्यूम) का मान इकाई के बराबर है।
- $1/MPS$. गुणांक होता है।
- उपभोग आय का फलन है।
- जे एम केन्स द्वारा प्रकाशित ग्रंथ का नाम “थ्योरी ऑफ मनी एंड प्राइसेस” है।
- क्लासिकल विचारों द्वारा प्रतिपादित रोजगार का सिद्धांत जे.बी.से के बाजार के नियम पर आधारित है।
- केन्स के अनुसार समाज में रोजगार के मात्रा मजदूरी के स्तर से निर्धारित ना होकर प्रभावी मांग द्वारा निर्धारित होता है।
- कुल मांग और कुल पूर्ति द्वारा प्रभावपूर्ण मांग का निर्धारण होता है।
- जब सीमांत उपभोग की प्रवृत्ति कम होती है तब सीमांत बचत की प्रवृत्ति अधिक होती है।